सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 205 | जौनपुर, सोमवार, 22 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

विपक्ष की सभी गारण्टियां फेल, देश का भरोसा सिर्फ मोदी की गारंटी – अनुराग ठाकुर

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक गिर सकती है। आखिर कब तक कांग्रेस अपने तुष्टिकरण की राजनीति के लिए हमारी बहन बेटियों का गला रेतने वालों, देश को टुकड़े–टुकड़े करने वालों और आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के साथ खड़ी रहेगी? देश अब इनकी सोच से वाकिफ हो चुका है इसीलिए इन लोकसभा चुनावों के बाद एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी और एनडीए 400 से ज्यादा सीटें लाकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी, वहीं कांग्रेस 40 से कम सीटों पर सिमट जाएगी। श्री अनुराग ठाकुर ने यह बातें हिमाचल प्रदेश के गगरेट विधानसभा में कहीं जहां वे मुबारिकपुर और कलोह में आयोजित स्वागत सभा और एससी मोर्चा सम्मेलनों में शामिल हुए। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि "जब राहुल गांधी को नॉर्थ इंडिया ने नकार दिया तब वे साउथ जाकर एसडीपीआई और पीएफआई जैसे संगठनों का सहयोग ले रहे हैं जो देश के खिलाफ और आतंकवादी एजेंडा चलातीं है। हद तो तब हो गई जब कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के एक काउंसलर की बेटी की बेरहमी से गला रेत कर हत्या कर देने वाले लड़के को बचाकर पूरे प्रकरण पर पर्दा डाला जा रहा है क्योंकि कांग्रेस को एक विशेष समुदाय का वोट लेना है। यह तुष्टीकरण की राजनीति कहां तक जाएगी? इन्होंने तो भारत के टुकड़े–टुकड़े करने के नारे लगाने वाले को लोकसभा का उम्मीदवार बना दिया है। तो आखिर यह भारत को टुकड़ों टुकड़ों में बांटने वाली सोच कहां तक जाएगी? कांग्रेस और उसके साथी बम ब्लास्ट करने वालों और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को संरक्षण देते हैं। ये लोग रक्षा सौदों से लेकर खेल के सामान खरीद में भी दलाली कर सकते हैं। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कांग्रेस की सोच को देश विरोधी करार देते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से देश विरोधी सोच रखती है। इन्होंने रक्षा सौदों में कई घोटाले किए हैं। जीप घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला, बोफोर्स घोटाला, सबमरीन घोटाला इत्यादि कुछ नाम मात्र हैं। अब यही कांग्रेस और उनके सहयोगी भारत के न्यूक्लियर हथियारों को खत्म करने की वकालत कर रहे हैं। और ऐसा तब जब दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध जैसे हालात हैं। ऐसे में भारत को और मजबूत बनाने की बात होनी चाहिए लेकिन कांग्रेस देश को कमजोर करने की बात कर रही है। इनके तो बयान भी उन विदेशी लोगों से मिलते हैं जो भारत को कमजोर करना चाहते हैं। जवाहरलाल नेहरू ने कई हजार एकड़ भारतीय जमीन चीन को दे दी। इंदिरा गांधी के समय पाक

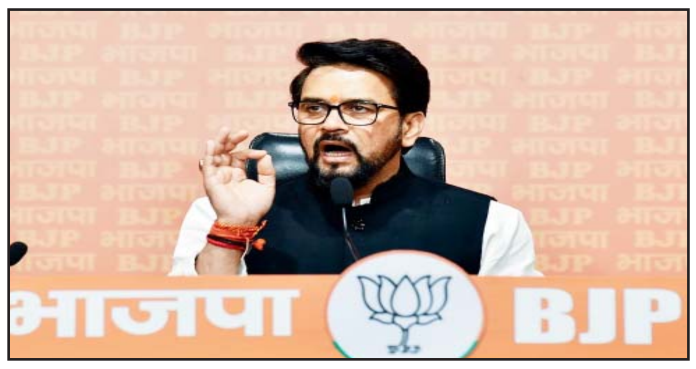

अधिकृत कश्मीर बना। 90000 पाकिस्तानी सैनिक हमारे कैद में थे इन्होंने कुछ नहीं किया। इन्होंने 1974 में कच्चतीवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हमेशा से भारत के टुकड़े–टुकड़े करने वाली सोच रखती है। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ष्मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में भारत को भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है। हमने 25 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लाया है। आज जरूरतमंदों के पास मकान, बिजली, शौचालय, पानी, अनाज, गैस सिलेंडर और मुफ्त इलाज है। कांग्रेस जो 60 वर्षों में ना कर सकी वह मोदी जी ने 10 वर्षों में किया है। आज जहां–जहां विपक्ष की सरकारें हैं वहां उनकी सभी गरंटियां फेल हैं। आज देश के लोगों को भरोसा सिर्फ और सिर्फ मोदी की गारंटी पर है क्योंकि मोदी जी ने जो कहा, वह किया है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी है। मोदी जी के जीवन का पल–पल देश और देशवासियों के नाम है। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे दूरदर्शन के लोगो को भगवा रंग दिए जाने के ऊपर आम जनता से पूछा की क्या भगवा रंग आपको चुभता है? जनता ने एक स्वर में इसका उत्तर ना में दिया। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि आखिर विपक्ष को भगवा रंग से इतनी दिक्कत क्यों है? आखिर भगवा रंग कांग्रेस और उसके सहयोगियों की आंखों में इतना क्यों चुभता है? आखिर भगवा रंग का विरोध क्यों है? यह विरोध ठीक उसी प्रकार है जैसे धारा 370 हटाने से पहले लाल चौक पर तिरंगे का विरोध होता था।

लेकिन कांग्रेसियों को पता नहीं है कि जिस प्रकार तिरंगे में 140 करोड़ भारतवासियों को एकजुट करने की ताकत है वैसे ही भगवे में भी पूरे हिंदुस्तानियों को एकजुट करने की ताकत है। 500 वर्षों के इंतजार के बाद राम मंदिर के निर्माण से आज पूरा भारत एकजुट है। आज भारत और सनातन के सभी तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व विकास हो रहा है और लोगों में जागृति आ रही है। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे हमीरपुर और हिमाचल प्रदेश में किए गए विकास कार्यों के बारे में बताते हुए कहा, विकास का दूसरा नाम भारतीय जनता पार्टी है। स्वा चौनेलाइजेशन का कार्य भारतीय जनता पार्टी ने किया।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा आसानी से केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आने वाली - मायावती

गाजियाबाद, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर संदेह जाहिर करते हुए दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली। बसपा प्रमुख ने रविवार को अमरोहा में पार्टी उम्मीदवार मुजाहिद हुसैन और गाजियाबाद में नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में अलग–अलग जनसभाओं को संबोधित किया। बसपा प्रमुख ने अमरोहा में भाजपा पर मुसलमानों के उत्पीड़न और गाजियाबाद में पश्चिमी उप्र में क्षत्रियों को टिकट न देकर उनकी उपेक्षा का आरोप लगाया। मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और इनके अन्य सभी सहयोगी दलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त

करते हुए कहा, ''आजादी के बाद केंद्र और राज्यों में सत्ता ज्यादातर कांग्रेस के हाथों में रहीं, लेकिन अधिकांश मामलों में गलत नीतियों के कारण उसे केंद्र तथा राज्यों की सत्ता से बाहर होना पड़ा।'' भाजपा पर कांग्रेस की राह पर चलने का आरोप लगाते हुए बसपा प्रमुख ने कहा, '' पिछले कई वर्षों से भाजपा और उनके सहयोगी दल केंद्र तथा राज्यों की सत्ता में काबिज हैं लेकिन इनकी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक, द्वेष पूर्ण नीतियों, कार्यप्रणाली और इनकी कथनी तथा करनी में अंतर होने के कारण लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली।'' उन्होंने कहा, '' बशर्ते अगर चुनाव इस बार स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए और ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई।'' मायावती ने कहा, '' वैसे भी इस बार चुनाव में इनकी (भाजपा) पुरानी और नयी नाटकबाजी, जुमलेबाजी, गारंटी आदि काम नहीं आने वाले क्योंकि अब देश की जनता इन्हें समझ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया, इनकी (भाजपा) पार्टी ने देश के गरीब, कमजोर तबकों व अन्य मेहनतकश लोग जिनसे उन्होंने अच्छे दिन दिखाने के वादे किये, उसका एक चौथाई कार्य नहीं किया।

वोट मांगने के लिए विभाजनकारी रणनीति पर भरोसा कर रही है भाजपा – सीएम मान

पंजाब, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर वोट मांगने के लिए विभाजनकारी रणनीति पर भरोसा करने और लोगों की सेवा करने के अपने कर्तव्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने होशियारपुर लोकसभा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार राज कुमार चब्बेवाल के प्रचार के लिए आयोजित एक रैली में कहा कि पिछले 10 वर्ष से केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धर्म और जाति के आधार पर वोट मांग रही है क्योंकि वे अपने काम का हिसाब नहीं दे सके हैं। मान ने आरोप लगाया कि भाजपा देश के लिए सार्थक प्रगति और विकास देने में विफल रही है, जनता की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय, भाजपा ने चुनावी समर्थन हासिल करने के लिए धार्मिक और जातिगत पहचान का फायदा उठाया है। उन्होंने कहा कि यह रणनीति सामाजिक ताने–बाने के लिए हानिकारक

है क्योंकि यह विभाजन को बढ़ा रही है और वास्तविक प्रगति में बाधा डाल रही है। मान ने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर भाई–भतीजावाद की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उसने मूल्यवान सरकारी संस्थानों को अपने पसंदीदा सहयोगियों को बेच दिया है, जिससे सार्वजनिक हित की कीमत पर कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा हुआ है। मान ने कहा कि भाजपा आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कैद कर सकती है, लेकिन उनके विचारों को दबा नहीं सकती।

लोक सेवक राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ नागरिकों की सेवा करते रहेंगे – राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को 'सिविल सेवा दिवस' पर लोक सेवकों को बधाई दी और विश्वास जताया कि वे ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना के साथ देश के नागरिकों की सेवा करना जारी रखेंगे। देश में 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है और यह नौकरशाहों का नागरिकों के हित के लिए खुद को पुनरू समर्पित करने और सार्वजनिक सेवा एवं काम में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराने का अवसर होता है। उन्होंने कहा, ''सिविल सेवा दिवस पर सभी लोक सेवकों को शुभकामनाएं। आपने देश की प्रगति के लिए अथक काम करने की महान विरासत को आगे बढ़ाया है। हमारी सिविल सेवाओं को बदलते माहौल के अनुसार शीघ्रता से स्वयं को ढालने की चुनौती का हमेशा सामना करना पड़ता है और साथ ही उन्हें उन तीन मूलभूत मूल्यों को भी बरकरार रखना होता है जिन्हें सरदार पटेल ने 1947 में इसी दिन अपने भाषण में रेखांकित किया था – गरिमा, सत्यनिष्ठा और सच्चरित्र। मुझे विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश के नागरिकों की सेवा करना जारी रखेंगे। इस प्रयास के लिए आपको मेरी शुभ कामनाएं। स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में इसी दिन दिल्ली के मेटकाफ हाउस में परिवीक्षा धीन प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को संबोधित किया था।

प्रचंड बहुमत से फिर बनेगी मोदी सरकार - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव का प्रथम चरण संपन्न हुआ है। देश के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल को लेकर लोगों में जो उत्साह है, वह वोट में बदल रहा है। सीएम योगी रविवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी के नेतृत्व में फिर से भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की एनडीए की सरकार बनने जा रही है। इसमें कोई संदेह होना ही नहीं चाहिए। जनता–जनार्दन के द्वारा विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश भी किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गैर भाजपा शासित राज्यों में होने वाली हिंसा तुष्टिकरण की नीतियों का दुष्परिणाम है। पश्चिम बंगाल के साथ–साथ गैर भाजपा शासित प्रदेशों में रामनवमी और होली पर जो दंगे हुए, यह बहुसंख्यक समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। तुष्टिकरण के नाम पर वोटबैंक की राजनीति ने हमेशा ऐसे सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है। पश्चिम बंगाल में रामनवमी की शोभायात्राओं पर फिर से हुए हमले चिंता का विषय भी हैं और साथ–साथ देश के लोगों के लिए संदेश भी है कि यह लोग जब शांतिपूर्ण ढंग से निकलने वाली शोभायात्राओं को ही सुरक्षा नहीं दे सकते हैं तो बहन–बेटियों और सामान्य नागरिकों को क्या सुरक्षा दे पाएंगे। चुनाव सबसे अच्छा अवसर होता है, जब हम तथाकथित सेक्युलर लोगों व दलों को संदेश दे सकते हैं। अपने

मत से इन्हें स्पष्ट संदेश दें कि हमारी भावनाओं से खिलवाड़ करोगे और सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को प्रश्रय दोगे तो फिर चुनाव में हम भी उसी प्रकार से जवाब देंगे।

छत्तीसगढ़वासी भी उतने ही उत्साहित, जितना उत्तर प्रदेश व अयोध्या

छत्तीसगढ़ में चुनावी दौरे पर निकलने से पहले सीएम योगी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास से ही रामलला का 500 वर्षों बाद अयोध्या में आगमन संभव हुआ। छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल व मां कौशल्या का मायका है। छत्तीसगढ़ के बारे में कहते हैं कि छत्तीसगढ़िया, सबसे बढ़िया क्योंकि हर सनातन धर्माव लंबी छत्तीसगढ़ को ननिहाल के रूप में मानता है। ननिहाल जाना सबको अच्छा लगता है। स्वाभाविक रूप से छत्तीसगढ़ वासी भी उतने ही उत्साहित हैं, जितना उत्साहित उत्तर प्रदेश, पूरा देश और हर सनातन धर्मावलंबी है। छत्तीसगढ़ में जनता– जनार्दन से संवाद बनाने और उत्तर प्रदेश व अयोध्या का संदेश उन तक पहुंचाने का अवसर मुझे प्राप्त होगा। देशवासियों के लिए मोदी जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है।

कोई भी पश्चिम बंगाल में सीएए को लागू होने से नहीं रोक सकता - राजनाथ सिंह

पश्चिम बंगाल, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा करती है, इसलिए कोई भी पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लागू होने से नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि सीएए किसी की नागरिकता छीनने के लिए नहीं है बल्कि धार्मिक आधार पर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से विस्थापित लोगों को भारतीय नागरिकता देने का कानून है। मालदा उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार खगेन मुर्मू के समर्थन में यहां एक रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस या वामपंथी दल चुनाव के दौरान कई वादे करते हैं, जो पूरे नहीं होते हैं, लेकिन भाजपा अपने वादों को पूरा करती है।'' उन्होंने कहा कि शेष भारत के साथ–साथ पश्चिम बंगाल में भी सीएए को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता। बंगाल के लोगों को धोखा देने की कोशिश क्यों कर रही हैं। सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली

सिंह ने कहा, ''ममता दीदी (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) कहती हैं कि वह अपने राज्य में सीएए को लागू नहीं होने देंगी। वह पश्चिम सरकार में भारत के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता है। उन्होंने कहा, ''जब हम अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुछ कहते हैं, तो उसे सम्मान के साथ सुना जाता है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मोदी का संकल्प 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना है। सिंह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म करने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण जैसे वादे पूरे हुए हैं तथा 'राम राज्य' के अस्तित्व में आने के संकेत मिल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने 'तीन तलाक' को खत्म करने का अपना वादा भी पूरा किया है। उन्होंने बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के सत्ता में आने के बाद बंगाल में केवल जबरन वसूली करने वाले, अपराधी और भ्रष्टाचारी ही पनपे हैं।

वंशवादी राजनीति को बचाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं विपक्षी दल – जे. पी. नड्डा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने रविवार को विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए दावा किया कि ये पार्टियां अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। नड्डा ने महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में एक स्थिर सरकार दी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''तीन तलाक'' और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान किया गया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में बड़े–बड़े दावे करते थे और सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करना भूल जाते थे। नड्डा ने कहा, देश में विपक्षी दल अब अपनी वंशवादी राजनीति को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, चाहे वह शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा

(एसपी) हो या फिर उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी)। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में एक स्थिर सरकार दी है, जिससे तीन तलाक और राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का हल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, हमने बेघर लोगों को हजारों आवास उपलब्ध कराए और विभिन्न सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया, जिससे ग्रामीण लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट जीतने को लेकर आश्वस्त है भाजपा – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट जीतेगी। पीयूष गोयल ने यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित हिंदू नव वर्ष समारोह में यह टिप्पणी की। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 2014 से पहले किसी भी सरकार ने भगवान राम के लिए कुछ नहीं किया। धामी ने कहा, '' यह भाजपा सरकार ही है, जो भगवान राम को अयोध्या में उनके महल में वापस लेकर आई। उत्तराखंड में हाल में हुआ मतदान शांतिपूर्ण रहा और मुझे यकीन है कि भाजपा राज्य की सभी पांच सीट पर भारी अंतर से जीत हासिल करेगी।'' गोयल ने दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान को लेकर कहा, '' पार्टी को पूरा यकीन है कि दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट भाजपा ही जीतेगी।'' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि केदारनाथ में भारी त्रासदी हुई थी, लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही थे जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी की और अब केदारनाथ फिर से भक्तों का स्वागत कर रहा है। केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में रोपवे का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि दिल्ली से देहरादून तक एलिवेटेड रोड बनाई जा रही है। देहरादून पहुंचने में केवल ढाई घंटे लगेंगे।

हरिद्वार के इकबालपुर में योगा एक्सप्रेस के कोच में लगी आग

हरिद्वार, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद से उत्तराखंड के ऋषिकेश आ रही योगा एक्सप्रेस रेलगाड़ी के एक कोच में आग लग जाने से यात्रियों में अफरा–तफरी मच गयी हालांकि घटना में किसी के हताहात होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना हरिद्वार जिले के इकबालपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर हुई। पुलिस के मुताबिक, योगा एक्सप्रेस जैसे ही रेलवे स्टेशन पर पहुंची तभी उसके एक कोच के निचले हिस्से में अचानक आग लगी हुई दिखाई दी, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पंहुची और आग पर काबू पा लिया गया। लक्सर जीआरपी थाने के प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया रेलगाड़ी के ब्रेक लगने के बाद उसके हीटअप होने से पहियों मे आग लग गयी। उन्होंने बताया कि आग दिखाई देने के बाद सभी यात्रियों को रेलगाड़ी से नीचे उतार लिया गया। रेलगाड़ी के निचले हिस्से में ही आग लगी थी।

संपादकीय

सांस्कृतिक या बौद्धिक संबंध

अर्ने नेस ऐसा नाम नहीं है जिसे भारत में बहुत से लोग पहचानते होंगे। नॉर्वेजियन दार्शनिक और पर्यावरणविद्, जिनकी 2009 में 96 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई, का इस देश के लिए कोई मतलब नहीं था, हालांकि यह देश उनके लिए दुनिया था। सतही दिमाग के लिए नॉर्वे एक सुदूर देश है जिसका भारत से कोई औपनिवेशिक संबंध नहीं है, न ही तुरंत समझ में आने वाला कोई सांस्कृतिक या बौद्धिक संबंध है। और जहां तक इसके किसी भी प्रत्यक्ष अनुभव की बात है, बर्फ के लिए इसकी खड़ी और ऊबड़–खाबड़ ढलानों पर कौन जाना चाहेगा, जबकि स्विट्जरलैंड में स्ट्रॉबेरी फेंककर कहीं अधिक आसानी से यह रोमांच प्राप्त किया जा सकता है? सोनम वांगचुक भी एक ऐसा नाम है जिससे भारत में कई लोग अपरिचित हैं। इंजीनियर, वास्तुकार, शिक्षक, जो अब 57 वर्ष के हैं, लद्दाख से हैं, जो भारत का एक सुदूर हिस्सा है, जहां तक पहुंचना हालांकि इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन इतनी ऊंचाई पर है, ओह, इतनी ऊंचाई पर, कि आप गंभीर ऑक्सीजन की कमी का जोखिम उठाएंगे . कौन चाहेगा कि जब गुलमर्ग में बर्फ का स्पर्श महसूस किया जा सके, जहां केसर फेंककर आसानी से पहुंचा जा सके? लेकिन यहां मुझे एक खुलासा करना होगा. जबकि मैं नॉर्वे में था, ओस्लो में हमारे दूतावास में तैनात होने के कारण, और मुझे नेस से मिलने का सौभाग्य मिला, मैं कभी लद्दाख नहीं गया, न ही वांगचुक से मिला। वरिष्ठ के बारे में मेरी जानकारी प्रत्यक्ष है, उम्र और पर्यावरण सक्रियता में उनके कनिष्ठ के बारे में, दूसरों के लेखन से प्राप्त हुई है। मेरी पत्नी, तारा, एक पक्षीविज्ञानी और प्रकृति संरक्षणवादी, उस महान व्यक्ति के बारे में जानती थी और उसने मुझे उसके बारे में तब बताया था जब हम आधी रात के सूरज की भूमि के लिए निकलने वाले थे। मेरे प्रिय मित्र, प्रशंसित इतिहासकार, दुनिया भर में पर्यावरण आंदोलनों के उत्साही विशेषज्ञ और गांधी के जीवनी लेखक, रामचंद्र गुहा ने मुझे उनके बारे में अधिक जानकारी से परिचित कराया। राम ने कहा, कई लोग नेस को चरमपंथी मानते हैं और एक तरह से उनका श्गहन पारिस्थितिकीश विचार अतिवादी है लेकिन वह घातक रूप से ईमानदार हैं और उनका जुनून संक्रामक है। इसके अलावा, नेस की भारत और गांधी के प्रति समझ उनकी पारिस्थितिकी की अवधारणा जितनी ही गहरी है। जैसे–जैसे वह आगे बढ़ रहा है, उससे पहले मिलें।" और उन्होंने कहा कि हिमालय की पारिस्थितिक अखंडता के लिए महान आंदोलनों, जिनमें चंडी प्रसाद भट्ट और सुंदरलाल बहुगुणा अग्रणी थे, का नेस की श्पारिस्थितिकीश – पारिस्थितिक दर्शन के साथ एक वैचारिक संबंध था। मुझे बाद में पता चला कि नेस ने बांधों की अवधारणा के खिलाफ, कोई कम नहीं, एक सत्याग्रह किया था। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के साथ, नेस ने 1970 में, नॉर्वेजियन फजॉर्ड में एक झरने, मार्डल्सफॉसन के सामने खुद को चट्टानों से बाँध लिया, और तब तक उतरने से इनकार कर दिया जब तक कि बांध बनाने की योजना वापस नहीं ले ली गई। स्कैंडिनेविया मानवाधिकारों के प्रति अपने सहज सम्मान के लिए जाना जाता है और यह विरोध प्रदर्शनों से निपटने में उदार है, लेकिन नॉर्वे के लिए भी नेस कुछ ज्यादा ही उदार था। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने खदेड़ दिया और बांध पर काम नहीं रुका। लेकिन नेस ने नॉर्वेजियन पर्यावरणवाद की सक्रियता शुरू की थी। जब तारा और मैंने उनसे मुलाकात की तो उन्होंने भारत के बारे में भावुकता से बात की। नेस ने 1950 में 38 साल की उम्र में हिंदू कुश में तिरिच मीर तक एक पर्वतारोहण अभियान का नेतृत्व किया था – जो एक संकेत उपलब्धि थी। और निस्संदेह, वह गांधी के विषय पर आये। अनिवार्य रूप से, परमाणु हथियारों का विषय सामने आया और, मुझे आश्चर्य हुआ, मैंने उन्हें आशावादी पाया और निरस्त्रीकरण वार्ता की वर्तमान गति को देखते हुए, यहां तक कि भोला भी पाया। ष्अगले दो सौ वर्षों में,ष उन्होंने कहा, ष्दुनिया को युद्ध की हास्यास्पदता का इतना स्पष्ट रूप से एहसास हो जाएगा कि वह इसे खध्त्म कर देगी।ष आपकी भविष्यवाणी सच हो, मैंने खुद से कहा। जैसे ही हम चले गए, नेस ने मुझे श्हथियार पकड़नेश की चुनौती दी और मुझे, जो उससे तैंतीस साल छोटा था, बिल्कुल हरा दिया। उसकी वाइकिंग भुजा मेरी वैष्णव भुजा से कहीं अधिक मजबूत थी। उनकी अहिंसा ताकतवरों की अहिंसा थी। मैंने सोचा कि नेस का क्या मतलब है। क्या वह श्प्रकृति के करीबश था, नॉर्वे की स्थलाकृति के तत्वों के साथ उसके जीवन से श्बंधा हुआश था? हाँ बिल्कुल। उन्होंने नॉर्वे की पारिस्थितिक बुद्धिमत्ता, नॉर्वे की पर्यावरणीय चेतना का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन वे इससे भी अधिक थेरू वे नॉर्वे की पर्यावरण–आवश्यकता थे। सोनम वांगचुक, जैसा कि मैंने कहा, मैं कभी नहीं मिला। न ही उनके लेखन को एकाग्रचित्त होकर पढ़ते हैं। लेकिन फिर लाखों लद्दाखियों के अलावा ऐसे कितने लोग हैं जो लद्दाख की पर्यावरण–आवश्यकता के संरक्षण के लिए उनके आंदोलनों के पीछे पूरी तरह से मजबूत हैं? वह हारा हुआ नहीं है, मैं हारा हूं। हम हैं। क्यों? क्योंकि जैसे मार्डल्सफॉसन में नेस का विरोध एक बांध को रोकने से कहीं अधिक था, वांगचुक का 21 दिन का अनशन, जो हाल ही में संपन्न हुआ, लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा मांगने से कहीं अधिक था। जैसे नेस नॉर्वे की पारिस्थितिक धड़कन के साथ एक हो गया है, वांगचुक लद्दाख की भूभौतिकीय धड़कन का एक अविभाज्य हिस्सा बन गया है। उनका विरोध इस या उस परियोजना के लिए हां या ना कहने से कहीं आगे तक जाता है।

रुपया विश्वसनीय मुद्रा के रूप में

आदित्य

डॉ. वैष्णवी शर्मा और डॉ. केदार विष्णु द्वारा 19 अप्रैल, 2024 को अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) के मुकाबले रुपया 83.52 के ऐतिहासिक निचले

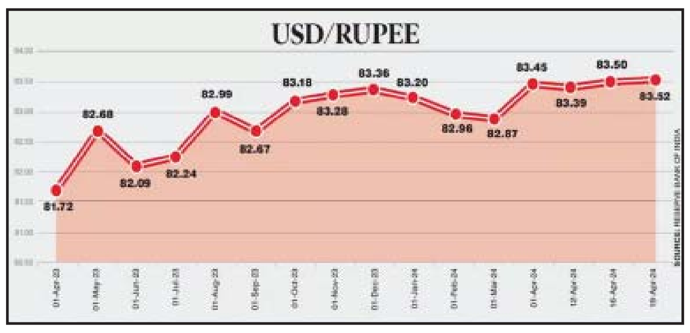

स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, 10 अप्रैल को इसमें 20 पैसे का मामूली सुधार देखा गया। रुपया इससे पहले नवंबर में 83.39 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया था। 13, 2023. नीति निर्माताओं ने जनवरी 2022 से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट के बारे में चिंता व्यक्त की है। रुपये को दुनिया की शीर्ष 15 सबसे मूल्यवान मुद्राओं में स्थान दिए जाने के बावजूद, पिछले दो वर्षों में रुपये और डॉलर के बीच विनिमय दर में महत्वपूर्ण अस्थिरता देखी गई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन का हमारी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के ऐतिहासिक रूप से कम मूल्य को कम करने के लिए आरबीआई ने क्या उपाय किए हैं? ये महत्वपूर्ण चिंताएँ हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। स्थिर से लचीले तक 1944 से पहले, मुद्रा विनिमय पर कोई अंतरराष्ट्रीय निगरानी नहीं थी, जिसके कारण कई देश व्यापार लाभ के लिए अपनी मुद्रा मूल्यों में हेरफेर करते थे। जुलाई 1944 में ब्रेटन वुड्स बैठक का उद्देश्य एक स्थिर विदेशी मुद्रा प्रणाली स्थापित करना, मुद्रा अवमूल्यन को रोकना और वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 1945 में निश्चित विनिमय दर प्रणाली की देखरेख के लिए की गई थी। बाजार की मांग और रुपये की आपूर्ति द्वारा निर्धारित लचीली विनिमय दर में परिवर्तन से पहले भारत ने 1945 से 1973 तक इस प्रणाली का पालन किया। एक निश्चित विनिमय दर के तहत, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने धन आपूर्ति को समायोजित करके यह सुनिश्चित किया कि रुपये का मूल्य आईएमएफ दर से मेल खाए। अधिकांश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने एक बार इस निश्चित विनिमय दर प्रणाली को अपनाया था। आईएमएफ का प्रस्तावित तंत्र अप्रभावी पाया गया, क्योंकि कई सदस्य देशों ने 70 के दशक की शुरुआत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्राओं का अवमूल्यन करना शुरू कर दिया था। यह विफलता मुख्य रूप से दुनिया भर में न्ैक की बढ़ती मांग के कारण थी। 1948 और 1966 के बीच डॉलर के मुकाबले रुपया 4.79 पर आंका गया था। 60–80 के दशक 1960 के दशक में आर्थिक तनाव देखा गया और चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों के कारण खाद्य और औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई, जिसकी परिणति भुगतान संतुलन संकट के रूप में हुई। इसके कारण रुपये का तीव्र अवमूल्यन हुआ, जिसका मूल्य 1966 में न्ैक के मुकाबले लगभग 4 रुपये से गिरकर 1973 में लगभग 7.6 रुपये हो गया। भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में, 6 तारीख को पहली बार रुपये का 57: अवमूल्यन किया गया। निर्यात बढ़ाने के लिए जून 1966। तेल संकट ने भी रुपये की कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। 60 और 70 के दशक में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसका और भी अवमूल्यन हुआ। 1980 के दशक में काफी उतार–चढ़ाव का अनुभव हुआरू जनवरी 1981 में रुपये का अवमूल्यन 8.06 से बढ़कर दिसंबर 1989 में 16.84 हो गया, और न्ैक के मुकाबले 10 की दर तक गिर गया। खुलने का युग जून 1991 में, भारत को भुगतान संतुलन के गंभीर संकट का सामना करना पड़ा, जिससे अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21.20 तक अवमूल्यन हो गया। 1993 का महत्वपूर्ण वर्ष भारतीय मुद्रा इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ का गवाह बना। इस दौरान मुद्रा को बाजार की भावनाओं के अनुसार स्वतंत्र रूप से चलने की अनुमति दी गई। अत्यधिक अस्थिरता के समय में केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के प्रावधानों के साथ, विनिमय दरें बाजार की ताकतों द्वारा निर्धारित की जाती थीं। 1991 के बाद से लगातार गिरावट के बाद जून 1993 तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट आई और यह 31.37 तक पहुंच गया। निर्यात को बढ़ावा देने और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के लिए इस अवधि के दौरान कई अवमूल्यन किए गए। 1990 के दशक के दौरान, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसका मूल्य लगभग 22.50 रुपये कम हो गया। 2000 और 2010 के दशक इस अवधि के दौरान, डॉलर के मुकाबले रुपये में 40 से 51 के बीच उतार–चढ़ाव आया, जिसका मूल्य मुख्य रूप से 45 के आसपास रहा। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान रुपये के मूल्य में थोड़ी वृद्धि देखी गई। हालाँकि, 2012 के बाद, रुपया कभी भी 1 न्ैक के मुकाबले 53 रुपये से अधिक नहीं बढ़ा। हम देखते हैं कि, इन 77 वर्षों में, रुपये के मूल्य में काफी गिरावट आई है, जो अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 79–84 रुपये तक पहुंच गया है। कई कारक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन के लिए विभिन्न वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। रूस–यूक्रेन संघर्ष जैसे अंतर्राष्ट्रीय तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि (जिसके कारण व्यापार घाटे में पर्याप्त वृद्धि हुई) ने रुपये पर दबाव डाला है। इसके अतिरिक्त, तेल आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग और व्यापार घाटे पर चिंताओं सहित वैश्विक वित्तीय स्थितियों के सख्त होने ने भी इसकी गिरावट में योगदान दिया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कार्रवाई ने बाजार में अनिश्चितताओं को बढ़ावा दिया है, जो कि कोविड–19 महामारी के बीच यूरोप और चीन जैसे क्षेत्रों में भू–राजनीतिक संघर्षों और आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण और भी बदतर हो गई है। इन अनिश्चितताओं के कारण वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे अमेरिकी डॉलर की निकासी हुई, जिससे रुपये पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। मौद्रिक नीति को कड़ा करके मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और भविष्य में किसी भी उथल–पुथल से निपटने के लिए अपने भंडार को बढ़ाने के आरबीआई के उपायों ने भी एक भूमिका निभाई है। रुपये के अवमूल्यन में. कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, इक्विटी बाजार में गिरावट और मौद्रिक नीति समायोजन के संयोजन के कारण अमेरिकी डॉलर का नकारात्मक बहिर्वाह हुआ है।

दुबई में 75 वर्षों में सबसे भारी वर्षा

विनोद

प्राचीन देवताओं ने बारिश कराने के लिए बलिदान की मांग की थी। मानव संस्कृतियों ने उन्हें एज्टेक द्वारा बच्चों की हत्या, राजस्थान में 1,000 ऊंटों की हत्या और भारत के कई अन्य हिस्सों में मेंढकों की शादी, मूल अमेरिकियों के बीच बारिश नृत्य के साथ–साथ तिब्बती मंत्रों जैसी विभिन्न प्रथाओं के लिए बाध्य किया। बारिश कराने के लिए भिक्षु आत्माओं को प्रसन्न करते हैं। आधुनिक ईश्वर – विज्ञान – दयालु हैय यह नमक के बलिदान से संतुष्ट होता है। क्लाउड सीडिंग – या बारिश को प्रेरित करने के लिए बादलों पर नमक, सिल्वर आयोडाइड या सूखी बर्फ का छिड़काव – 1949 से चल रहा है और थाईलैंड, चीन, इजराइल और यहां तक ध्कि भारत जैसे देशों द्वारा अलग–अलग सफलता के लिए इसका उपयोग किया गया है। उदाहरण के लिए, चीन ने क्लाउड सीडिंग का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि बादल उन क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों में बारिश करें जहां 2008 बीजिंग ओलंपिक आयोजित किए जा रहे थे। संयुक्त अरब अमीरात, जो एक सूखा क्षेत्र है, भी लंबे समय से अपनी शुष्क जलवायु से निपटने के लिए अग्रणी, नवीन समाधानों में सबसे आगे रहा है। हाल ही में, क्लाउड सीडिंग का उपयोग स्पष्ट रूप से दुबई में बारिश बढ़ाने के लिए किया गया था। लेकिन विज्ञान, विशेष रूप से विकसित हो रहा विज्ञान, प्राचीन काल के देवताओं जितना ही अस्थिर हो सकता है। कुछ लोगों का मानना है कि दुबई में मूसलाध ाार बारिश के कारण बाढ़ आ गई, इस प्रयास के परिणामस्वरूप 75 वर्षों में सबसे भारी वर्षा हुई। वैज्ञानिकों द्वारा प्रलेखित किया गया है कि मौसम की चरम घटनाएं – चाहे वह बारिश की कमी हो या दुबई में देखी गई बाढ़ जैसी बाढ़ – तेजी से आम हो जाएंगी।

लेकिन एक उम्मीद की किरण नजर आ रही है. जलवायु परिवर्तन के प्रलय का संभावित परिणाम पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक स्वभाव के बीच उभरती, जटिल, उभरती एकजुटता के रूप में हुआ है। वास्तव में, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के एक अध्ययन से पता चलता है कि कैसे जलवायु परिवर्तन और परिणामी व्यवधान कई समाजों को कल्पनाशील तरीकों से विश्वास और विज्ञान के बीच पुल बनाकर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाने और इससे लड़ने में मदद करने वाले फतवे जारी करने के लिए 1,000 श्इको–मस्जिदोंश की स्थापना कर रहा है। कई देशों में, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए बेहतर अनुकूलन तंत्र बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा स्वदेशी ज्ञान की संपत्ति का खनन किया जा रहा है। भारतीय संदर्भ में, समान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतःविषय जोर देने का एक निश्चित मामला है। उदाहरण के लिए, वैज्ञानिक आवश्यक जलवायु–परिवर्तन उत्तरजीविता किट के बारे में भारत के स्वदेशी समुदायों का क्या कहना है, इसका अध्ययन करने और बेहतर ढंग से समझने के लिए मानवविज्ञान छात्रवृत्ति के साथ सहयोग कर सकते हैं। लेकिन मनुष्य – जैसा कि उनकी आदत है – परिवर्तनकारी क्षमता वाले इन प्रयासों में बाधा डालने के लिए तैयार हैं। रेगिस्तानी बारिश के चमत्कार की महक को सूंघने के बजाय, ईरान ने बारिश के अपने हिस्से को लूटने की साजिश को सूंघ लिया है – तेहरान में संशयवादियों के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात जैसे ऊपरी इलाकों में बादल छाने से ईरान जैसे निचले इलाकों में बारिश कम हो सकती है।. नवीनतम भू–रणनीतिक तूफान अशांत हवाओं के समान है जो जलवायु शिखर सम्मेलन में समाध ाानों को बाधित करता है और राजनयिक समुदाय के अनुसार मौसम युद्ध की संभावना को बढ़ाता है। संकीर्ण भू–रणनीतिक प्रतिस्पर्धा द्वारा आस्था, स्वदेशी ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच प्रारंभिक संबंधों के प्रदूषण का विरोध किया जाना चाहिए। अन्यथा, युद्ध के देवता, जाहिर तौर पर, अधिक उदार आत्माओं पर विजय प्राप्त करेंगे जो बारिश का कारण बनती हैं।

देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा

योगेन्द्र

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिध्लों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिध्लों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों– छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक–टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिध्ले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को श्नक्सलवादश के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ जिध्म्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून–व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक –आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं।

विश्व में दुर्लभ संघर्ष की अद्भुत निरंतरता

तरुण

वर्तमान हिंदू उदय का काल सनातन हिन्दुओं की वीरता और उनके असीम धैर्य के साथ विश्व में दुर्लभ संघर्ष की अद्भुत निरंतरता बताता है तो उसके साथ ही स्मरण रखना होगा पिछले कई सौ वर्षों में हिन्दू द्वारा हिन्दू से विद्वेष, हिंदू की हिंदू से शत्रुता, असंगठन, शत्रु के साथ अपने स्वार्थ के लिए जा मिलना और सामूहिक शत्रु के विरुद्ध अपने ईर्ष्या भाव खत्म कर संगठित बल से उस शत्रु का हनन करने की भावना का ना होना जिसने हिंदुओं को विदेशी क्षुद्र शक्तियों का दास बनाया। हिन्दुओं ने आत्म मुग्धता के साथ केवल अपने बारे में महानता की बातें कीं लेकिन जो सावरकर और हेडगेवार को जानते हैं वे समझते हैं कि अपनी दुर्बलताओं की और ध्यान दिए बिना शक्ति अर्जन का पथ प्रशस्त करना संभव नहीं होता। ये पांच सौ वर्ष कैसे बीते हमारे ? इन वर्षों में लाखों हिन्दुओं का वध हुआ, उनकी स्त्रियों का अपमान हुआ, बच्चे नर नारी गुलाम बनाकर काबुल और बगदाद के बाजारों में बेचे गए, हमारे मंदिरों का ध्वंस हुआ और उनका अपमान हुआ, हमारे पूर्वजों को डरा धमका कर, संहार के भय से इस्लाम में लाया गया। आज उन मतांतरित हिन्दुओं के वंशज ही आक्रमणकारी विदेशियों की भांति हिन्दू धर्म, एवं आस्था स्थलों के प्रति घृणा का भाव रखते हैं, क्यों ? पांच सौ वर्षों के संघर्ष की निरंतरता के बाद हिन्दुओं के असीम धैर्य के बावजूद उनके प्रति मतांतरित जिहाद– अनुयायियों की शत्रुता काम क्यों नहीं हुयी ? हिन्दू इन विषयों पर सोचना भी नहीं चाहता। स्मृति भ्रंश और विगत के बलिदानों का विस्मरण हमारी बड़ी कमजोरी है। मंदिरों की अपरमित आय उच्च जातियों द्वारा नियंत्रित रहती है। हिन्दुओं का कौन सा एक भी मंदिर है जो अपने ही रक्तबंधु दलितों के प्रति समता और सच्चे आत्मीयता का भाव जन जन में पैदा करने के लिए दो चढ़ावा खर्च करता होगा? अथवा देश के कोने कोने मं हिन्दुओं को धर्मान्तरित करने वाली शक्तियों के सामने हिन्दू रक्षक और समरसता के यथार्थ प्रहरी भेजने हेतु अपने करोड़ो रुपये के हिन्दू–धर्म–दान का कोई अंश खर्च करता होगा? इन हिन्दू मंदिरों के संचालक एवं धर्म कोष के अधिपति अपनी राजनीतिक अभीप्साओं की पूर्ति के लिए मंदिर कोष कभी सरकारी कार्यों हेतु, कभी आगंतुक राजनीतिक महानुभाव के सरकारी सहायता कोष हेतु, कभी सड़क पानी बिजली के लिए खर्च कर अपने लिए राजनीतिक पद और प्रतिष्ठा की संभावनाएं ढूंढते हैं। लेकिन अरुणाचल से लेकर अंडमान और लद्दाख तक जो संगठन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए प्रयासरत हैं उनको कभी दो रुपये की सहायता नहीं देते। हिंदू पर्व केवल लोकाचार–रीति रिवाज और कर्मकांड के पालन द्वारा अपनी क्षुद्र मनोकामनाएं पूरी करवाने का पाखंड नहीं होना चाहिए। हिन्दू क्यों हारा? किन कारणों से आक्रमणकारी जीते? किन कारणों से हमारा संगठन जातियों, धन कुबेरों के स्वार्थों, धार्मिक कुरीतियों और रूढ़िवादिता के कारण छिन्न भिन्न होता रहा? और किन महापुरुषों ने हिन्दू संगठन का बीड़ा उठाया जिस कारण आज सर्वत्र एक हिंदू उत्कर्ष का भाव दिखने लगा है ? इन पर विचार किये बिना भारत के नवीन भाग्योदय पर विमर्श अधूरा ही कहा जायेगा। स्मरण रखिये महाशक्ति संपन्न, विष्णु के अवतार श्री राघव को भी रावण वध से पूर्व भगवती शक्ति का आवाहन कर आशीर्वाद लेना पड़ा था. हमारे अवतारी पुरुष और वीर पराक्रमी गुरु दुष्ट हन्ता, जनसंगठक, मर्यादा रक्षक, प्रजा वत्सल, अत्यंत सौम्य, अक्रोधी, शालीन, भद्र, सबकी सुनने वाले और विनम्र रहे हैं। हमारे महापुरुषों ने जीवन भर जन हित के लिए संघर्ष किया– उनको जीवन में कभी लौकिक सुख नहीं मिला –विलासिता और ऐश्वर्य से कोसों दूर रहे। यदि कृष्ण शक्ति, नीति और पराक्रम के योद्धा पुरुष थे जिनको सुदर्शन चक्र के प्रतापी रूप से जाना गया तो राम मर्यादा भक्षक रावण तथा उसके पुत्रों के वध के बाद उसकी स्वर्णमयी लंका भस्म कर– जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी कहते हुये अयोध्या लौटे–और कृष्ण ने मथुरा वृंदावन से हजारों मील दूर गुजरात में देहोत्सर्ग किया। दोनों ही अवतारी पुरुष शक्ति और पराक्रम के अन्यतम उदाहरण हैं। अर्थात जहाँ आवश्यक हो वहां अरि हनन कर सज्जनों को अभय देना ही हिन्दू सनातन परंपरा का प्राचीनतम सन्देश रहा है। शक्ति का उपार्जन करना, स्वयं को शत्रु से अधिक बलशाली बनाना, पश्चाताप रहित शत्रु को कभी क्षमा नहीं करना, उसके प्रति कोई दया भाव नहीं दिखाना, सत्य और धर्म रक्षा के लिए प्रत्येक पग उठाने का साहस रखना ही सनातन नियम है। वर्तमान सन्दर्भों में भारत के आराधकों का विजय पथ पर आरोहण एक नए युग के प्रवर्तन का प्रतीक है। एक ओर यदि हिंदू उत्कर्ष की पुनः प्राप्ति हमारे संघर्ष के अटूट सातत्य का स्वर्णिम अध्याय है तो यह भी सत्य है कि सनातन पथ पर सनातन का नाम लेने वालों ने ही अति दुर्गम कंटक भी बोये, हिन्दू निर्वीर्य लंका विजय के बाद हनुमान श्री रघुवीर से पूछें कि अब मुझे कौन सा मंत्रालय मिलेगा? अयोध्या वालों ने तो कोई युद्ध नहीं किया, इसलिए

दुर्बलताओं का अनुभव भी हुआ, शक्ति अर्जन और जन संगठन में कमियां रहीं। तुम विजयी हो गए तो क्या हुआ, पहले यह बताओ मुझको क्या मिला? इस प्रकार के भाव लेकर सनातन ही सनातन की पराजय का कारण बना। यह इस प्रकार था मानों अधिकांश पद, वानर और रीछ जातियों के लिए आरक्षित होने चाहिए। इस भाव के विरुद्ध जन संगठन और राष्ट्र धर्म सर्वोपरि मानने का भाव सनातन की विजय सुनिश्चित करता है। जितना भी यह भाव बढ़ेगा हिंदू उत्कर्ष उतना ही निकट आएगा।

भाजपा ने सत्ता में आकर संविधान एवं लोकतंत्र को तार तार करने का काम किया – बाबूसिंह कुशवाहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। इंडिया गठबंधन समाजवादी पार्टी से लोकसभा के उम्मीदवार बाबूसिंह कुशवाहा का लखनऊ से जौनपुर प्रथम आगमन पर जिले के बॉर्डर पर बदलापुर के विधानसभा अध्यक्ष रामजतन यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नगर के एक होटल में अयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री उम्मीदवार बाबूसिंह कुशवाहा ने कहा कि आज भाजपा ने सत्ता में आकर संविधान एवं लोकतंत्र को तार तार करने का काम किया वहीं नौजवानों को रोजगार से वंचित कर दिया, इसमें सबसे अधिक नुकसान पीडीए समाज को पहुंचा है। आज देश के संविधान, आरक्षण को बचाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। ऐसे में हम सभी का आवाहन करते है की इंडिया गठबंधन के जनपद की दोनो सीटों को जिताकर केंद्र से भाजपा को उखाड़ फेंकना चाहिए।इसी क्रम में केराकत के पूर्व विधायक तूफानी सरोज ने उपस्थित इंडिया गठबंधन के साथियों से जनपद की दोनो सीटों को जिताने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि जौनपुर की दोनों लोकसभा सीटें जीतकर राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व को मजबूती प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर समाधि पार्टी के तमाम कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद है कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

सपा कार्यकर्ताओं को विरोध करना पड़ा भारी, विधायक द्वारा पीटने का वीडियो वायरल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा 73 के सपा उम्मीदवार बाबू सिंह कुशवाहा का विरोध रुकने का नाम नही ले रहा है। ताजा मामला मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र का है। सोमवार को का गमछा बांधे युवकों को धकेल दिया। सपा विधायक युवकों के साथ हाथापाई करने लगे। विधायक पंकज पटेल द्वारा विरोध कर रहे कुछ युवकों से हाथापाई का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि जब सपा

बाबू सिंह कुशवाहा का काफिला जैसे ही मुंगराबादशाहपुर बाईपास के पास पहुंचा है ,वैसे ही पहले विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ युवक बाबू सिंह कुशवाहा की गाड़ी के सामने आकर प्रदर्शन करने लगें।उधर बाबू सिंह कुशवाहा के स्वागत के लिए अपने समर्थकों के साथ खड़े विधायक पंकज पटेल को जब इसकी भनक लगी तो वह तुरंत मौके पर पहुंच गए और सपा प्रत्याशी की गाड़ी के सामने कार्यकर्ता मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे और गाड़ी के सामने खड़े हो गए तभी सपा विधायक पंकज पटेल ने युवक धकेल दिया और गालियां भी दी। उनके समर्थकों ने भी युवकों के साथ हाथापाई का वीडियो वायरल हो रहा है। उम्मीदवार बनने के बाद बाबू सिंह कुशवाहा प्रचार प्रसार के लिए मुंगराबादशाहपुर पहुंचे , जहाँ पर सपा कार्यकर्ताओं के द्वारा विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जताते हुए बाबू सिंह कुशवाहा मुर्दाबाद , बाहरी प्रत्याशी नही चलेगा , बाबू सिंह कुशवाहा वापस जाओ अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारा लगा रहे थे। दूसरी गाड़ी में बैठे मुंगराबादशाहपुर के सपा विधायक पंकज पटेल द्वारा गाड़ी से उतर कर सपा कार्यकर्ताओं को गाली देते हुए मारने का एक वीडियो तेजी वायरल हो रहा है।

वही इस मामले में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहा कि पंकज पटेल हमारी पार्टी के मुंगराबादशाहपुर के विधायक है। हमने उनसे बात किया उन्होंने कहा जो बाबू सिंह कुशवाहा का विरोध कर रहे थे। वो दूसरे दल के कार्यकर्ता व समर्थक है। हम उनको हटा रहे थे व शांत करा रहे थे। वही विधायक पंकज पटेल ने कहा कि जो वीडियो वायरल हो रहा है। वो लड़के सपा के कार्यकर्ता नही बल्कि व्यक्ति विशेष के कार्यकर्ता है। वो लोग सपा प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा के गाड़ी के सामने आकर गाड़ी को पिट रहे थे, हम लोग जाकर उन्हें वहां से हटाया है।

चुनाव पाठशाला का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) लोक सभा सामान्य निर्वाचन–24 में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता एवं मतदान प्रतिशत

बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय के मार्गदर्शन में आज जनपद के समस्त विकास खण्डों के 195 मतदान केन्द्रो में चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। उक्त चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल पर बूथ जागरूकता समूह द्वारा बूथ के मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक, प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया और बताया गया कि प्रत्येक व्यक्ति के मतदान करने से लोकतंत्र मजबूत होता है। चुनाव लोकतंत्र का पर्व होता है, जिसमें सभी को बढ–चढ कर हिस्सा लेना चाहिए ।मतदान प्रतिशत अच्छा होने से जनता के अनुरूप अच्छी सरकार चुनकर आती है। चुनाव पाठशाला के दौरान मतदाताओं को शतप्रतिशत मतदान करने एवं मतदान कराने की शपथ दिलाई गयी एवं बूथ स्तर पर रैली भी निकाली गयी। उक्त अवसर पर मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित कैलेण्डर एवं पम्पप्लेट का भी वितरण किया गया। ग्राम पंचायत भिठारी विकास खण्ड बावन में आयोजित चुनाव पाठशाला के कार्यक्रम में डा० नन्द किशोर, उप कृषि निदेशकध्नोडल अधिकारी स्वीप, हरदोई, ने मतदाताओं को लोकतंत्र में उनके मत की अहमियत को बताते हुए सभी से अपील कि वह अपने ग्राम पंचायत के समस्त मतदाताओं को 13 मई 2024 को मतदान केन्द्र पर ले जाकर मतदान अवश्य कराये। डा० रामप्रकाश, खण्ड विकास अधिकारी बावन ने मतदाताओं से अपील की सशक्त लोकतंत्र में हर व्यक्ति की भागीदारी अवश्यक होती है अतः समस्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान अवश्य करें। उक्त अवसर पर उपस्थित मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलायी और मतदाता जागरूकता कैलेण्डर एवं पम्पप्लेट भी वितरित किया गया। उपरोक्त की तरह जनपद की समस्त नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायत के 78 वार्डो में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सड़क दुर्घटना में टड़ियावां में तैनात नर्स की हुई दर्दनाक मृत्यु, जानकारी मिलते ही शिक्षक पति ने भी आत्महत्या

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

थाना क्षेत्र सुरसा के अंतर्गत लखनऊ–हरदोई राजमार्ग पर ग्राम पचकोहरा के निकट आज दर्दनाक हादसा हुआ। स्वास्थ्य केंद्र टड़ियावां में नर्स के पद पर तैनात मणिकर्णिका की स्कूटी को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारकर बुरी तरह कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। मृतका की ससुराल दाउदपुर पचकोहरा एवं मायका धन्नूपुरवा हरदोई में है। अभी हाल ही में 3 माह पूर्व इनका विवाह पिहानी ब्लॉक के टीकमपुरवा में शिक्षक के पद पर कार्यरत योगेश कुमार के साथ हुआ था। इस घटना से बदहवास नर्स मणिकर्णिका के शिक्षक पति योगेश कुमार ने सूचना मिलने के कुछ समय बाद अपने घर पर आत्महत्या कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका नर्स मणिकर्णिका अपने माता–पिता की इकलौती संतान थीं, वहीं पति योगेश कुमार भी अपने माता–पिता के इकलौते पुत्र थे। इस घटना से दोनों मृतकों के परिजनों व शुभचिंतकों में शोक है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच कर दुर्घटना की जांच में जुटी है। निर्माणाधीन लखनऊ– हरदोई राजमार्ग पर रोजाना कई हादसे हो रहे हैं और लोग मृत्यु के काल में समाते जा रहे हैं। इन सड़क दुर्घटनाओं पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिस तरह से रोजाना लोग सड़क दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस तरह से तो जब तक ये राजमार्ग बनकर तैयार होगा तब तक पता नहीं कितनों को अपने काल के गाल में समा लेगा। पीएनसी के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में होने के बावजूद भी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने को लेकर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। रोजाना होने वाली इन सड़क दुर्घटनाओं को लेकर पीएनसी पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह तो खड़ा होता ही है।

लोनी चीनी मिल में पृथ्वी दिवस पर संपन्न हुआ जागरूकता कार्यक्रम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

पृथ्वी दिवस के अवसर पर पिहानी मार्ग पर स्थित डीसीएम श्रीराम लि. शुगर यूनिट लोनी में भी पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मिल कर्मचारियों ने फाइकस और टीकोमा के पौधे लगाए। यूनिट के अपर उपाध्यक्ष व इकाई प्रमुख राजा श्रीवास्तव ने कहा पृथ्वी को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों पर भी प्रकाश डाला। अधिक से अधिक पौधे लगाए। मिल परिसर सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त प्रणाली की और अग्रसर है। परिसर और आसपास के वातावरण को हरा भरा रखने के लिए प्रतिवर्ष हजारों पौधे लगाए जाते हैं।इस अवसर पर मिल अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र मिश्रिख से तीन लोगों ने नामांकन पत्र किया दाखिल

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 में सोमवार को नामांकन के चौथे दिन 31–लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र हरदोई से ओम प्रकाश ने नामांकन पत्र प्राप्त किया जबकि लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र मिश्रिख से किसी भी व्यक्ति द्वारा नामांकन पत्र प्राप्त नही किया गया।

आज 31–लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र हरदोई से किसी ने भी नामांकन पत्र दाखिल नही किया गया जबकि 32–मिश्रिख के लिए "नारी–नर रक्षा पार्टी से वन्दना वर्मा, अवधेश कुमार ने निर्दलीय तथा समाजवादी पार्टी से संगीता राजवंशी ने प्रत्याशी के रूप में अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आज चौथे दिन भी नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक का हुआ आयोजन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में झाड़ी की कटाई का कार्य कराया जाये। साफ सफाई की व्यवस्था को सुचारु रखा जाये। लोगों को जागरूक किया जाये। मतदान पार्टी रवानगी स्थल पर 12 व 13 मई को मेडिकल टीम की उपस्थित व दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। मतदान दिवस को बूथों पर मेडिकल टीम की तैनाती की जाये। प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एम्बुलेंस की तैनाती की जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार आदि उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड 2023 –24 के परीक्षाफल में डा. राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल इंटर कालेज के छात्रों ने परचम लहराया

लखनऊ (आर एल पाण्डेय)। यूपी बोर्ड परीक्षाफल 2023 –24 के परीक्षाफल में डॉव राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल इंटर कॉलेज के छात्रों ने परचम लहराया । इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में मुस्कान मिश्रा 91: वर्तिका श्रीवास्तव 80:, टुबा नाज,78: ,सौम्या साहू 73 प्रतिशत तनु गौतम 71:, आलिया खातून 70: ,आयशा फटीमा 70:, समीक्षा गुप्ता 69: ,वही हाई स्कूल परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों में रिमझिम मौर्या 81: , सादिया वसीम 80: , अक्षरा मिश्रा 78: नेहा 75:, पायल शुक्ला 74:, राशि श्रीवास्तव 74:, सिमरन 71: अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कॉलेज प्रधानाचार्या डॉक्टर वी.के. श्रीवास्तव ने सभी बच्चों व अभिभावकों और टीचरों को बधाई दी।

शालीमार कार्प और सरोवर होटल्स ने लखनऊमें किया भव्य होमटेल का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरोवर होटल्स और शालीमार कॉर्प लिमिटेड ने आज आलमबाग में होमटेल के भव्य शुभारंभ की घोषणा की है। इस होटल के शुभारंभ के साथ ही सरोवर होटल्स ने शहर में अपनी उपस्थिति और भी मजबूत कर ली है। सरोवर होटल्स राजधानी लखनऊ में सरोवर पोर्टिको और गोल्डन ट्यूलिप के नाम से दो लग्जरी होटल्स का संचालन कर रहा है। आलमबाग बस अड्डे और मेट्रो स्टेशन के बिल्कुल बगल में स्थित होमटेल बिजनेस करने के लिए राजधानी लखनऊ आने वालों और घूमने के मकसद से आने वाले पर्यटकों, दोनों के लिए, शहर के बीचों बीच आरामदायक रहने की जगह प्रदान करता है। 104 खूबसूरत कमरों के साथ, जिनमें डीलक्स, प्रीमियम और एक्जीक्यूटिव सुइट शामिल हैं, यह होटल मेहमानों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के रहने के विकल्प प्रदान करता है। होटेल में मेहमान 24 घंटे चलने वाले रेस्टोरेंट ष्फ्लेवर्सष् में जायकेदार स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा, होटल में अत्याधुनिक डाइनिंग और कॉन्फ्रेंस सुविधाएं विशाल टोपाज और क्रिस्टल बॉलरूम भी उपलब्ध हैं, जो हर तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एकदम उपयुक्त स्थान हैं। 'लखनऊ में होमटेल ब्रांड लाने के लिए शालीमार कॉर्प लिमिटेड के

डायरेक्टर कुणाल सेठ ने खुशी जताई और कहा', ष्सरोवर होटल्स के साथ मिलकर हम लखनऊ में बेहतरीन होमटेल का अनुभव लाने पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह साझेदारी शहर के बीचों बीच आधुनिक और आरामदायक रहने की सुविधा यात्रियों को देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। होमटेल आलमबाग उन यात्रियों के लिए है, जिन्हें रहने के लिए अच्छा और सुविधा भरा होटल चाहिए। वे चाहे बिजनेस के लिए आए हों या घूमने, यहां उन्हें बढ़िया सर्विस और ऐसी सहूलियतें मिलेंगी जिससे उनका सफर पूरा आनंददायक और परेशानी मुक्त हो जाएगा। सरोवर होटल्स के प्रबंध निदेशक और लूव होटल्स इंडिया के निदेशक अजय के. बकाया ने इस अवसर पर कहा, ष्हमें होमटेल ब्रांड को उस शहर में लाने की खुशी है, जो यहां आने वालों के दिलों में एक खास जगह रखता है। होमटेल ब्रांड एक नई, खुशनुमा और युवाओं को पसंद आने वाली जगह है, जो शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ अच्छी तरह से मेल खाती है। हम शालीमार कॉर्प के साथ साझेदारी करने की बेहद खुशी है, जिनके साथ मिलकर हम आतिथ्य के मानकों को फिर से परिभाषित करने और मेहमानों के ठहरने के अनुभव को बेहतर बनाने का लक्ष्य साझा करते हैं।

मेरी सफलता में सी.एम.एस. का बहुत बड़ा योगदान है – आदित्य श्रीवास्तव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आईएएस टॉपर आदित्य श्रीवास्तव ने आईएएस ऑल इण्डिया रैंक वन अर्जित कर कीर्तिमान स्थापित किया है और गौरव सारे देश ने बढ़ाया है। आदित्य की सम्पूर्ण शिक्षा सीएमएस अलीगंज से हुई। आईआईटी से बीटेक किया। आदित्य के पिताजी अजय श्रीवास्तव सेंट्रल आडिट डिपार्टमेंट में एएओ के पद पर कार्यरत, मां श्रीमती आभा श्रीवास्तव गृहणी है। विगत वर्ष भी आदित्य ने 236वीं रैंक के साथ आई.ए.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी परन्तु उन्होंने एक बार फिर से परीक्षा दी और इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सर्वोच्चता अर्जित कर अपने सपनों को साकार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित आदित्य के माता–पिता श्रीमती आभा श्रीवास्तव व श्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने एक स्वर से कहा कि आदित्य की इस सफलता के लिए में सी.एम.एस. का आभारी हूँ। सी.एम.एस. संस्थापक स्वर्गीय जगदीश गाँधी जी के प्रेरणादायी विचारों, प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति कश्यप व शिक्षकों के आत्मीय मार्गदर्शन ने ही आदित्य को आज इस मुकाम पर पहुंचाया है। सी.एम.एस. संस्थापिका– निदेशिका डा. भारती गाँधी ने कहा कि सीएमएस के सारे ही पूर्व व वर्तमान छात्र हमारा गौरव हैं, जो शैक्षिक क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करने के साथ ही मानवता के

उच्च आदर्श स्थापित कर रहे हैं व सारी दुनिया में अपना आलोक बिखेर रहे हैं। सी.एम.एस प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि आई.ए.एस. की प्रतिष्ठित परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करने वाले सी. एम.एस. छात्रों की ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरा सी.एम.एस. परिवार गौरवान्वित है। पिछले 12 वर्षों में 17 सी.एम.एस छात्रों ने यूपीएससी सिविल सर्विसेज की परीक्षा में सफलता पाई है। प्रो. किंगडम ने कहा कि आदित्य की सफलता संकल्पशक्ति सभी छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है। सी.एम.एस, अलीगंज प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति कश्यप ने आदित्य की अभूतपूर्व सफलता प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

लखनऊ पब्लिक कालेज के छात्रों नें फिर लहराया परचम

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। आज यू.पी. बोर्ड हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के वर्ष 2023–24 के परीक्षा परिणाम जारी किये गये। जिसमें लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी–ब्लाक, राजाजीपुरम शाखा के हाईस्कूल के 61 विद्यार्थियों में 05 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक व इण्टर में 61 छात्र–छात्राओं में 08 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। हाईस्कूल में भैरवी मौर्या ने 92.33: अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा आर्ची सिंह 90.67: , आराध्य ईशान तिवारी 90.33: , समीक्षा राजपूत 90.33: और रिया सिंह यादव ने 90.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वहीं इंटरमीडिएट में श्वेता प्रजापति ने 96.60: अंक प्राप्त कर उत्तर प्रदेश में सातवाँ तथा राजधानी में दूसरा स्थान प्राप्त किया साथ ही अंजुल कुमार ने 95.80: अंक प्राप्त कर जिले में छठा स्थान, कोकब ने 95.40: अंक प्राप्त कर जिले में आठवाँ स्थान , सौम्या वर्मा ने 95.20: अंक प्राप्त कर जिले में नवाँ स्थान और

आर्यन अस्थाना ने 95: अंक कर जिले में दसवाँ स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर संस्थापक एवं महाप्रबन्धक डॉ. एस.पी. सिंह ने छात्र दृ छात्राओं, शिक्षकों, एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा यह परीक्षा परिणाम बच्चों के अथक परिश्रम, शिक्षक दृ शिक्षिकाओं के उचित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के हार्दिक सहयोग से संपन्न हुआ है द्य मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे सभी छात्र–छात्राएं जीवन में सफलता की बुलंदियों पर पहुचें और देश के जिम्मेदार नागरिक साबित हों।

चिल्ड्रेन्स एकेडमी विद्यालय में पुरस्कार वितरण आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दिनाँक 20/04/24 को चिल्ड्रेन्स एकेडमी विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन बड़ी धूम–धाम से किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डा. जावेद आलम खान (प्रिंसीपल लखनऊ पब्लिक कालिजिएट तथा सिटी लखनऊ कॉरडिनेटर ब्वैम) तथा विशिष्ट अतिथि मिस मंजीत बत्रा (सीनियर प्रिंसीपल बवे गोमतीनगर) उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ श्री मुनीश निसरा (डायरेक्टर चिल्डेन्स एकेडमी) के स्वागत शब्दों से हुआ जिसमे उन्होंने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का परिचय करवाया। कार्यक्रम में आगे विधालय के फॉयर द्वारा गाना लाइट ऑफ द वई की प्रस्तुति के साथ–साथ कक्षा नर्सरी से कक्षा ट तक के विधार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इसके पश्चात मिस शेफालिका मिसरा (प्रिंसिपल चिल्ड्रेन्स एकेडमी) द्वारा विधालय की वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में आगे मिस समायरा द्वारा गाना (अबव ऑल पावर्स) की प्रस्तुती के साथ–साथ कक्षा VI से XII तक विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में शैक्षिक उत्कृष्टता तथा सह पाठचर्या कैटेगरी के अन्तर्गत

भी पुरस्कारों का वितरण हुआ। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि डां जावेद आलम खान द्वारा बच्चों को भविष्य संवारने हेतु प्रेरित करते हुए सम्बोधित किया।

साइबर अपराधी पुलिस की फोटो लगा कर भोली भाली जनता से कर रहे ठगी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अभी तक ब्लैकमेलर किसी न किसी लड़की के माध्यम से भोले भाली जनता को ब्लैकमेल करके उनसे अच्छी खासी रकम वसूलने का काम करते थे। जिसपर जब साइबर क्राइम ब्रांच ने शिकंजा कसना शुरु किया तो इन ब्लैकमेलर ने लोगों को ठगने का ट्रिक इस समय बदल दिया है।अगर देखा जाए तो इधर अप्रैल माह में एक पखवाड़े के बीच जिले के विभिन्न थानों से आधा दर्जन से अधिक पीड़ित लोग साइबर ब्रांच अयोध्या रेंज अयोध्या आकर अपनी समस्या बता रहे हैं।इन पीड़ितों का कहना है कि उनके मोबाइल फोन पर. 92 से धमकी भरा फोन आता है जिसमें संबंधित व्यक्ति से उनके सगे संबंधियों के अपहरण, पीड़ित के बैंक खाते में कम पैसों का होना बताकर उनसे अच्छी पैसे वसूल रहे हैं। जिसके चलते पीड़ित घबराहट में उनके द्वारा बताये गये खातों में पैसा भेज देते हैं।पीड़ित को जब तक सच्चाई का पता चलता है तब–तक बहुत देर हो सकती है।वही कुछ पीड़ित यह बताते है उनके मोबाइल फोन पर पुलिस की फोटो लगी फोन आता है और पीड़ित से बोला जाता है कि आपके पुत्र, पुत्र या फिर किसी रिश्तेदार को पुलिस अभिरक्षा में होने की बात कर उनसे पैसे मांगा जाता है। जिससे पीड़ित पुलिस की फोटो देखते हुए घबड़ाकर उसके द्वारा बताए गए खातो अन्य जगहों पर पैसा भेज देता है।जब मामला सामने आता है तो अपने को ठगा महसूस करता है। इसके अलावा अन्य फोन से भोली भाली जनता को इस तरह के अपराधी ठगी कर रहे हैं। इस संबंध में एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि अगर आपके मोबाइल फोन पर 92 से शुरु होकर कोई फोन आता है तो तुरंत समझ लें यह फोन पाकिस्तान से आया है।इस फोन को अनसुना करके न उठाये।इसके अलावा आपके मोबाइल पर पुलिस की फोटो लगी नंबर से फोन धमकी भरे व पैसे के मांग के लिए आता है तो उसे भी न उठाये।क्योंकि इस तरह के फोन फ्राड है। इस तरह की फोन किसी भी व्यक्ति पर आये तो इसकी सूचना अपने स्थानीय थाना व साइबर क्राइम ब्रांच को दे।जिससे समय रहते आप उक्त ठगों से बचें।

साथी के शहादत दिवस पर पहुंच कर, नम आखों से दी श्रद्धांजलि

दैनिक देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा, क्राईम ब्यूरो चीफ

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़ऊर गांव में शनिवार को वीरगति को प्राप्त सीआरपीएफ जवान की शहादत दिवस मनाई गयी। लोगों ने नम आंखों से प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। अमर शहीद छोटेलाल कुमार 20अप्रैल सन् 1998 असाम मे ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। उनकी वीरगति से प्रभावित होकर शनिवार शाम को प्रयागराज से चलकर आए, सीआरपीएफ जवान विनोद कुमार के नेतृत्व में बड़ऊर गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अमर बिंद प्रधान बासु राम बिंद पूर्व प्रधान राजमन यादव बंदना गौतम बृजेश गिरजाशंकर बुद्धू कन्नौजिया डा0 महेंद्र मास्टर विनोद डा0 राजकुमार सरोज यादव मास्टर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सेप्टिक वार्ड में अपनों की मिलने की आस में भर्ती आधा दर्जन लावारिस मरीज

इस वार्ड में भर्ती अपनों के इंतजार करते करते कई की हो चुकी है मृत्यु

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिला चिकित्सालय के लावारिस वार्ड जो कि अब सेप्टिक वार्ड के नाम से जाना जाता है।इस वार्ड में भर्ती लावारिस आधा दर्जन मरीज अपनो से दूर रहने को मजबूर है।वही इस वार्ड के कर्मियों के मुताबिक इससे पहले अपनों की मिलने की आस आधा दर्जन लावारिस मरीजों की मौत भी हो चुकी है।हैरान कर देने वाली बात यह भी है कि मरने वाले लावारिस मरीजों में से एक अभागा इसी शहर का भी नामी गिरामी एक व्यक्ति था। जो कि कई महीनो तक अपने परिवार से दूर जिला संवाददाता के सेप्टिक वार्ड में भर्ती था। इस समय इस वार्ड में इसी अप्रैल माह में दो महिला समेत कुल छः लावारिस मरीज भर्ती हुये है। वही एक लावारिस के रुप में फरवरी माह में भर्ती कराया गया है।इस तरह इस समय दो महिला सहित कुल छः लावारिस मरीज इस वार्ड में भर्ती हैं। सेप्टिक वार्ड में तैनात कर्मियों के मुताबिक फरवरी माह में पैंतालीस वर्षीय जिगलाल जो कि इससे पहले भी यहां भर्ती कराया गया था जो छः महीने पहले भाग गया था उसे फिर भर्ती कराया गया। वही अप्रैल माह में चालीस वर्षीय तुलसी नाम की महिला,साठ वर्षीय उमेश बेहोशी की हालत में,पचास वर्षीय मानसिक रुप से रोगी अज्ञात, चालीस वर्षीय सीएचसी सोहावल से रेफर तथा पचास वर्षीय महिला को इस वार्ड में भर्ती कराया गया है।जो इस आशा में है उनकी मुलाकात कब अपने परिजनों से होगी।ऐसा नहीं लगता कि इन लावारिस मरीजों को अपने परिजनों से मुलाकात होगी। इनके भर्ती फाइल को देखकर ऐसा लगता है।इनको किसने भर्ती कराया, एंबुलेंस कर्मचारियों ने किस थाना क्षेत्र से लाया इस सबका जिक्र नहीं किया गया है।इससे महज एक तरह से खानापूर्ति ही हो रही है। इस संबंधा मे जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक से मोबाइल नंबर संपर्क करना चाहा तो कोई उत्तर नहीं मिला।

एम आई पुर्वांचल पब्लिक इण्टर कालेज के छात्रों का सर्वोत्तम रहा परीक्षा परिणाम

दैनिक देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा, क्राईम ब्यूरो चीफ

जौनपुर – शनिवार को दोपहर 2:00 बजे यूपी बोर्ड का 10वीं और 12वीं का परिणाम घोषित होते ही परिणाम देखकर परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी छा गई। कुछ बच्चों ने अपने मोबाइल पर तथा कुछ ने साइबरकैफे पर जाकर अपना परीक्षा फल देखा। इस दौरान बच्चों में अपने परिणाम जानने को लेकर उत्सुकता दिखाई दीया। जनपद जौनपुर के विकास खण्ड शाहगंज क्षेत्र में स्थित एम आई पुर्वांचल पब्लिक इंटरमीडिएट कॉलेज भरौरा, मल्हनी, में कक्षा 10वीं की छात्रा अंकिता मौर्या पुत्री तेज प्रकाश मौर्या 93.33ः प्रतिशत और कक्षा 12वीं की छात्रा निशा चौरसिया पुत्री राजेंद्र प्रसाद 93.4ः प्राप्त कर अपने परिवार और अध्यापक का नाम गौरव किया।

प्रधानाचार्य ने मिठाई खिलाकर बच्चों का किया उत्साहवर्धन

एम आई पुर्वांचल पब्लिक इण्टर कालेज भरौरा, मल्हनी के प्रधानाचार्य मदन लाल यादव ने बताया कि हाईस्कूल का परीक्षाफल इस वर्ष 97ः तथा इंटर का परीक्षाफल इस वर्ष 98ः प्रतिशत रहा। इंटर में निशा चौरसिया ने 93.4 प्रतिशत प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साक्षी तिवारी 87.6ः, निकिता यादव 87ः, शिवानी यादव 86.4ः, अनामिका 85ः, रूमैसा प्रवीन 85ः, साक्षी गिरी 83.4ः, और वहीं दसवीं कक्षा में अंकिता मौर्या पुत्री तेज प्रकाश मौर्या ने 93.33ः प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। महक 91.83ः, गुड़िया यादव 91. 83ः, अर्सला बानो 90.5ः, मो. अफवान 90.33ः, प्राप्त कर क्षेत्र में गौरव हासिल किया

विद्यालय में हाईस्कूल के 532 विद्यार्थी और

इंटरमीडिएट के 586 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण किया।प्रधानाचार्य मदन लाल यादव ने बच्चों को मिठाई खिला करके उनके उज्जवल भविष्य के लिए धन्यवाद दिया। विद्यालय का परीक्षाफल सर्वोत्तम होने के अवसर पर प्रबंधक मोहम्मद यासीन विद्यालय के शिक्षको को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे शिक्षकों ने अथक परिश्रम किया है, जिसके कारण बच्चे 93 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं। इसके लिए हमारे शिक्षक बधाई के पात्र हैं और मैं शिक्षक साथियों से यही उम्मीद करता हूं। आने वाले समय में और बेहतर करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर ध्रुव यादव,रंजीत कुमार गुप्ता,बृजेश यादव,गोविंद पाठक,राज बहादुर यादव,रेनू मौर्य,गीता यादव एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित थे।

ज्ञानाथली फाउंडेशन लखनऊ की मुख्य ट्रस्टी एवम ज्ञानस्थली क्लासेज की सीईओ अलका प्रकाश एव उपजिलाधिकारी डा ज्ञान प्रकाश द्वारा जनपद जौनपुर में दाना पानी सकोरा की पब्लिक लान्चिंग किया गया

क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर ज्ञानस्थली फाउंडेशन लखनऊ की मुख्य ट्रस्टी एवम ज्ञानस्थली क्लासेज की सीईओ अलका प्रकाश एवक उपजिलाधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश द्वारा जनपद जौनपुर में दाना पानी सकोरा की पब्लिक लॉन्चिंग की । विगत दिवस इसके पोस्टर का विमोचन जगद्गुरु रामभद्राचार्य कुलाधिपति एवं पीठाधीश्वर तुलसीपीठ चित्रकूट द्वारा किया गया। इस अवसर पर अलका प्रकाश द्वारा बताया गया कि गर्मी के समय में हमे भी जीवों के प्रति सहृदय होकर उनके लिए अंजुरी भर दाना पानी का इंतजाम कर दान करते हुए उन्हें जीवनदान करने में सहयोग करना चाहिए। सभी से निवेदन किया अपने घर की छतों पर एक पात्र में जल अवश्य रखे हो सके तो अंजुरी भर दाने का भी इंतजाम कर रख दें । लोगों कों कोविड के समय के विषय में अपने किए गए कार्यों को बताते हुए कहा जब हम जनसेवा कर रहे थे तभी इन पशु पक्षियों के विषय में सोच कर सिम्बा फूड बैंक के माध्यम से उनके लिए बृहद स्तर पर दाना पानी देने का कार्य किया जो जन सहयोग से आज ज्ञानस्थली फाउंडेशन के द्वारा अंजुरी भर दाना पानी सकोरा के रूप में व्यापक से संपूर्ण भारत वर्ष में चलाया जा रहा है। संस्था के कार्यकारी अधिकारी विनय कुमार ने अनुरोध किया आप भी इस मुहिम से जुड़ कर पक्षियों को जीवन दान देने में इस विशेष दिवस पर सहयोगी बने। अमर उजाला के ब्योरो चीफ अभिषेक मिश्र, हिंदुस्तान के जिला संपादक रुद्र प्रताप, एवीएन के पंकज कुमार , अमर उजाला के जिला संवादाता दीपक मिश्रा, पेप्सी की कार्यकारी अधिकारी प्रेरणा कपूर, जिला उद्योग केन्द्र के डिप्टी कमिश्नर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ज्ञानस्थली फाउंडेशन परिवार के ट्रस्टी सुषमा देवी, सदस्य संतोष पांडे, संगीता पांडे, पूजा , रोली डूबे, गुनगुन, दिशा, दिव्यांग, मुस्कान आदि रहे।

सुएज इंडिया ने अर्थ डे पर स्कूल एवम कालेज के बच्चों के लिए आयोजित किया सस्टेनेबिलिटी हैकाथान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सुएज इंडिया ने अर्थ डे के उपलक्ष्य में सभी आयु वर्ग के छात्रों के लिए जो की कुंस्कप्सकोलन लखनऊ के 8वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों एवं एस आर ग्रुप इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र छात्राओं को 345 एमएलडी क्षमता वाले भरवारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में एक विशेष शैक्षणिक सस्टेनेबिलिटी हैकाथॉन का आयोजन किया। सुएज इंडिया उत्तर प्रदेश सरकार के शहरी विकास विभाग द्वारा शुरू की गई वन सिटी वन ऑपरेटर योजना के तहत लखनऊ में सीवर के बुनियादी ढांचे के संचालन और रखरखाव का कार्य कर रही है। यह सस्टेनेबिलिटी हैकाथॉन अपशिष्ट पृथ्वी की स्थिरता के उपचारों की अत्याधुनिक प्रक्रियाओं के बारे में छात्र छात्राओं से विचार विमर्श करवाने और पर्यावरण के संरक्षण में सतत प्रथाओं के महत्व पर जोर देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कुंस्कापस्कोलन के अथर्व श्रीवास्तव को प्रथम पुरस्कार मिला, अनिन्दम अग्रवाल को दूसरे नंबर एवं एस आर ग्रुप की आकांक्षा सिंह को तीसरे नंबर पर चुना गया। आकृति टंडन को सेकंड रनर्स अप चुना गया।इस हैकथॉन में छात्रों ने पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने हेतु नए–नए अभिनव विचारों पर मंथन किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नई पहलों पर भी चर्चा की गई। सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री राजेश मठपाल ने कहा, ष्अर्थ डे के अवसर पर, सुएज इंडिया ने युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराने एवं सस्टेनेबिलिटी हैकाथॉन द्वारा विचार विमर्श कर एक विशेष पहल की। सुएज इंडिया का मानना है कि युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय चेतना विकसित करना महत्वपूर्ण है। हम इस तरह की पहलों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना जारी रखेंगे और एक स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य के निर्माण में योगदान देंगे। अर्थ डे के अवसर पर सुएज फाउंडेशन इंडिया द्वारा समर्थित श्सपनों की उड़ानश नामक संस्था ने, शीरोज कैफे मे एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। एसिड अटैक सर्वाइवर महिलाएं कैफे में प्रशिक्षण ले रही हैं। इन महिलाओं ने जूट के थैले बनाए थे, जो पर्यावरण संरक्षण में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इन थैलों को सुएज इंडिया के स्टाफ ने खरीद कर ना सिर्फ एसिड सरवाइवर के हुनर की सराहना की, बल्कि एक स्वच्छ पृथ्वी के उद्देश्य के प्रति भी अपना योगदान दिया।

कुऐ मे बालक का शव मिलने से सनसनी

परिजनों के अनुसार एक माह से लापता था बालक

दैनिक देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा,
क्राईम ब्यूरो चीफ

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भदेठी गांव में 13 वर्षीय बालक का शव मिलने से हड़कंप मच गया,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। भदेठी गांव के निवासी हसनैन का 13 वर्षीय पुत्र आदिल बीते एक माह से घर से लापता था।सोमवार सुबह कुछ चरवाहा अपनी बकरी लेकर कुंआ के समीप चराने के लिए गए हुए थे।इस दौरान उन्हे कुंआ से दुर्गंध महसूस हुआ।पास जाकर देखा तो कुऐ मे शव गिरा पडा हुआ था। देखते देखते थोडी देर में भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और इसकी जानकारी सरायख्वाजा पुलिस को दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।परिजनो के अनुसार आदिल चार भाई व चार बहन है और भाईयो में आदिल 5 वें स्थान पर था।आदिल के पिता किसानी करके परिवार का खर्च वहन करते है बेटे की मृत्यु से पिता का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। मृतक के पिता के अनुसार आदिल एक माह पहले घर से कहीं गायब हो गया था काफी खोजबीन की गई थी। लेकिन कुछ पता नहीं चल सका था। थानाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है जांच पड़ताल की जा रही है।

केले से जैव उर्वरक बनाकर लाभ पा सकते हैं किसान – डा दिवाकर

अयोध्या। केले के तने के मध्य भाग में पाया जाने वाला डंठल किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी है इसमें इंडोफाइट्स नामक सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं।जो कि जैविक उर्वरक बनाने में बहुत मददगार है।यह बाते आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कृषि महाविद्यालय कुमारगंज के सह प्राध्यापक डॉक्टर दिवाकर सिंह ने विकास खंड में ओंकार सेवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण के मौके पर कही।में कही।उन्होंने बताया कि किसान का खेती में उर्वरक,दवा,कीटनाशक में काफी पैसा खर्च होता है। ऐसे यदि उसे यह सब कुछ अपनी फसल के अवशेष से ही मिल जाय तो यह किसान के लिए किसी वरदान से कम नहीं है केले का तना।जिसे बेकार समझकर किसान सड़को और नालों में फेंक देता था।वही अब उसके लिए खुशी की सौगात लेकर आया है।उसका हर अंग उपयोगी है ,रेशा के अलावा मध्य भाग में पाया जाने वाला डंठल से हम जैविक खाद ,अचार ,कैंडी ,सब्जी आदि बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि इससे किसानों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो सकती है । प्रशिक्षण में उन्होंने महिलाओं

को केला से विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ और जैविक उर्वरक बनाने की विधि बताई उन्होंने केला के खेत में जाकर किसानों को भी जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रसायनिक उर्वरकों के अनियंत्रित प्रयोग से जमीन के साथ मानव भी बीमार हो गया है। प्रशिक्षण में राज कुमारी, कंचन , सुखमता , पियारा , शिवानी शुक्ला , प्रज्ञा तिवारी सहित दो दर्जन से अधिक महिलाएं उपस्थित रही।

परीक्षा परिणाम का उत्सव धूमधाम से मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस द्वारा संचालित श्री अयोध्या सिंह मेमो. इण्टर कॉलेज चिनहट व डी.पी. एस एकेडमी इटौंजा लखनऊ का हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा 2023–24 का परिणाम शत प्रतिशत रहा। श्री अयोध्या सिंह मेमो. इण्टर कॉलेज चिनहट में उमा सिंह ने इण्टर की परीक्षा में 93.2 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में अभिषेक सिंह ने 90 फीसदी अंक पाकर अव्वल रहे। इण्टर में प्रथम दस स्थानों पर उमा सिंह 93.2ः , विद्या सिंह 92.6ः , आयुष कुमार 88.2ः , अल्पना बारी 87.4ः , तान्या वर्मा 85.8ः , आर्या झा 84.8ः , रितिका पाल 82.6ः , सलोनी शुक्ला 81.8ः , आर्यन चौबे 81.4ः , महिमा पाठक 80.8ः अंक पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। हाईस्कूल परीक्षा में प्रथम दस स्थानों पर अभिषेक सिंह 90ः , अनुष्का गुप्ता 88.3ः समीक्षा वर्मा 87.8ः, मोहित वर्मा 86.5ः , स्मृति मिश्रा 81.8ः , अदिति मिश्रा 81.5ः , सचिन सिंह 81.2ः , खुशबू निशा 80.7ः , श्वेता यादव 80.5ः शैलेश आर्या 80ः , अंक पाकर विद्यालय का मान बढ़ाया। विद्यालय के प्रांगण में परीक्षा परिणाम का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर देव ग्रुप की प्रबंधक श्रीमती शैल सिंह एवं डायरेक्टर श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों की सफलता पर शुभकामनाएं भेजी। विद्यालय की प्रधानाचार्य पूजा सिंह ने बच्चों के साथ इस अविस्मरणीय पल को साझा किया। इस अवसर पर विद्यालय सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थी। डी.पी.एस एकेडमी इटौंजा लखनऊ में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में पलक गुप्ता ने 89.5ः अंक पाकर विद्यालय का मान बढ़ाया वहीं इण्टर में अनुष्का गुप्ता ने 92. 4ः अंक पाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की हाईस्कूल परीक्षा मं पलक गुप्ता 89.5ः नाहिदा खान 89. 33ः , अर्शिया 89.33ः , आदित्या शर्मा 88.16ः , अक्षत अवस्थी 87ः मोहम्मद अफजल 85.16ः , अक्षत अवस्थी द्वितीय 85ः सौम्या तिवारी 83.33ः , रिमी वर्मा 83.16ः , प्रांशी यादव 81.66ः , एवं हर्षिता सिंह 81.16ःअंक पाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया वहीं इण्टर मीडिएट में अनुष्का गुप्ता 92.4ः शीर्ष स्थान पर रहीं। अनुभव कृष्णा अवस्थी , 87.4ः , अमरेन्द्र वर्मा 85.2ः अर्जित सिंह यादव 83. 6ः , सुदीप तिवारी 82.2ः , अंक हासिल कर 80 फीसदी से अधिक अंक अर्जित करने वालों की सूची मे नाम दर्ज करने वालो में रहे। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती शैल सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी गरिमा सिंह ने बच्चों को माल्यार्पण कर बच्चों को बधाई दी इस अवसर पर भावेश प्रताप सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या मीता चक्रवर्ती सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।